16 अगस्त, 2021

विशेष रिपोर्ट अगस्त 2021

तिलहन एवं खाद्य तेल

smc
Moneywise. Be wise.

सोयाबीन

ध्यान दिए जाने वाले कारक

- देश में बुवाई की प्रगति
- देश में मौसम का पूर्वानुमान
- अगस्त-सितंबर में मानसून की प्रगति
- घरेलू बाजार में सोयाबीन खाने की मांग
- देश में भोजन का आयात

मुख्य बातें

- इस वर्ष अभी तक कीमतों में 91% की भारी वृद्धि हुई है
- बुवाई क्षेत्र पिछले वर्ष की तुलना में पिछड़ रहा है लेकिन सामान्य बुआई क्षेत्र से अधिक है
- पहले 6 महीनों में सोयामील का निर्यात 200% से अधिक बढ़ा
- चौथे अनुमान में सोयाबीन का उत्पादन 129 लाख टन रहने का अनुमान, जो तीसरे अनुमान में 135 लाख टन था।
- 1 अगस्त को सोयाबीन का स्टॉक 8.81 लाख टन था, जो पिछले साल 18 लाख टन था

एनसीडीईएक्स सोयाबीन-जुलाई-अगस्त 2021

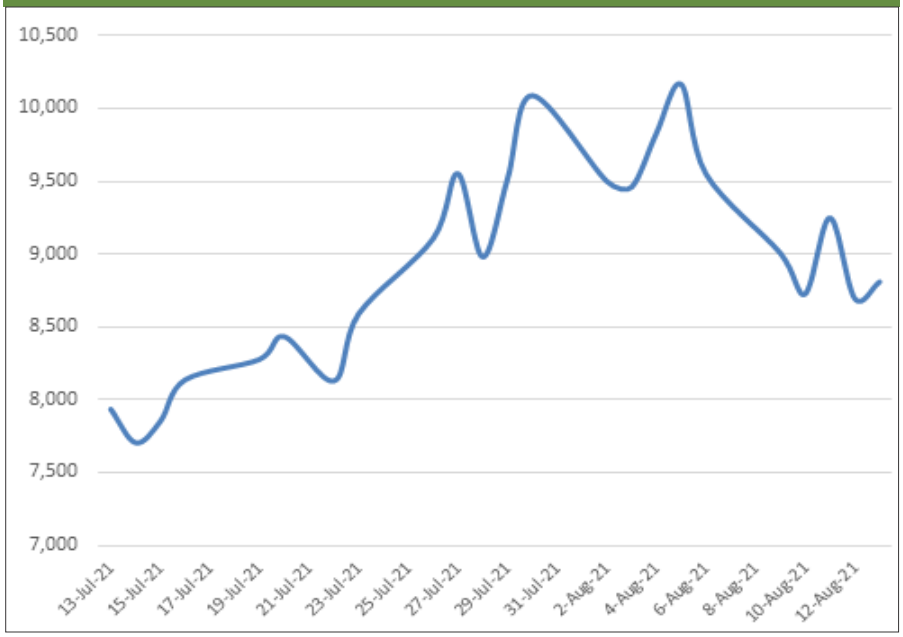

Source: Reuters & SMC Research

- मुख्य रूप से तेल मिलों की ओर से अधिक मांग और कम स्टॉक के कारण सोयाबीन वायदा की कीमतें जुलाई में अब तक के उच्च स्तर 10,000 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। लेकिन कीमतें 9000 के स्तर से नीचे आ गई हैं क्योंकि सरकार ने देश में जीएम सोयामील के 15 लाख टन (सज) आयात की अनुमति दी है।

- सोयाबीन प्रोसेसर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसपीओए) द्वारा प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, जुलाई के अंत तक देश में केवल 8 लाख टन सोयाबीन शेष बचा था और सोयाबीन की नई फसल बाजार में आने के लिए 3 महीने का समय बचा है। भारत में अक्टूबर-जुलाई में सोयाबीन की आवक 72.5 लाख टन की तुलना में 90 लाख टन से अधिक आंकी गई है, जबकि पेराई पिछले साल के 69.5 लाख टन की तुलना में 87.5 लाख टन होने का अनुमान है।

- 2021 के पहले 6 महीने में देश से 8 लाख टन सोयामील का विभिन्न देशों को निर्यात किया गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2.5 लाख टन की तुलना में 214% अधिक है। यूएसडीए की नवीनतम मासिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सोयामील की खपत 6.7% बढ़कर 62 लाख टन से अधिक हो गई है।

- कृषि मंत्रालय के चौथे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2020-21 (जुलाई-जून फसल वर्ष) में सोयाबीन का उत्पादन तीसरे अनुमान में अनुमानित 134 लाख टन से कम 129 लाख टन रह सकता है। लेकिन, सोपा के अनुमान के अनुसार, उत्पादन लगभग 104.5 लाख टन होने का अनुमान है।

आउटलुक

सोयाबीन समुद्री (झींगा) और कुक्कुट उद्योग दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण सामग्री है जो लगभग 10-12 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ रहे हैं। भारत बड़ी मात्रा में सोयाबीन (या यहां तक कि सोयामील) का आयात नहीं कर सकता क्योंकि हम जीएम सोया आयात की अनुमति नहीं देते हैं। इसलिए, फसल का घरेलू उत्पादन बहुत महत्वपूर्ण होगा और कीमतें फसल को प्रभावित करने वाले कारकों पर निर्भर करेंगी। आने वाले हफ्तों में, हम उम्मीद करते हैं कि कीमतें 7000 के समर्थन के साथ 7500 - 8500 के स्तर पर कारोबार करेंगी।

सरसों (आर एमसीड)

ध्यान दिए जाने वाले कारक

- घरेलू स्तर पर पेराई के लिए मांग
- व्यापारियों और किसानों के पास उपलब्ध स्टॉक
- खाद्य तेल का आयात
- तिलहन और खाद्य तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें।

मुख्य बातें

- इस वर्ष अभी तक कीमतों में 35% वृद्धि हुई है
- चौथा अग्रिम अनुमान - 101 लाख टन का उत्पादन, पिछले वर्ष की तुलना में 10% अधिक
- किसानों और व्यापारियों के पास सरसों का स्टॉक पिछले साल की तुलना में कम है
- सरसों का निर्यात पिछले साल की तुलना में 14.3% अधिक
- जून में सरसों की पेराई मई में 9 लाख टन की तुलना में 6 लाख टन हुई है।

एनसीडीईएक्स आर एम सीड-जुलाई-अगस्त 2021

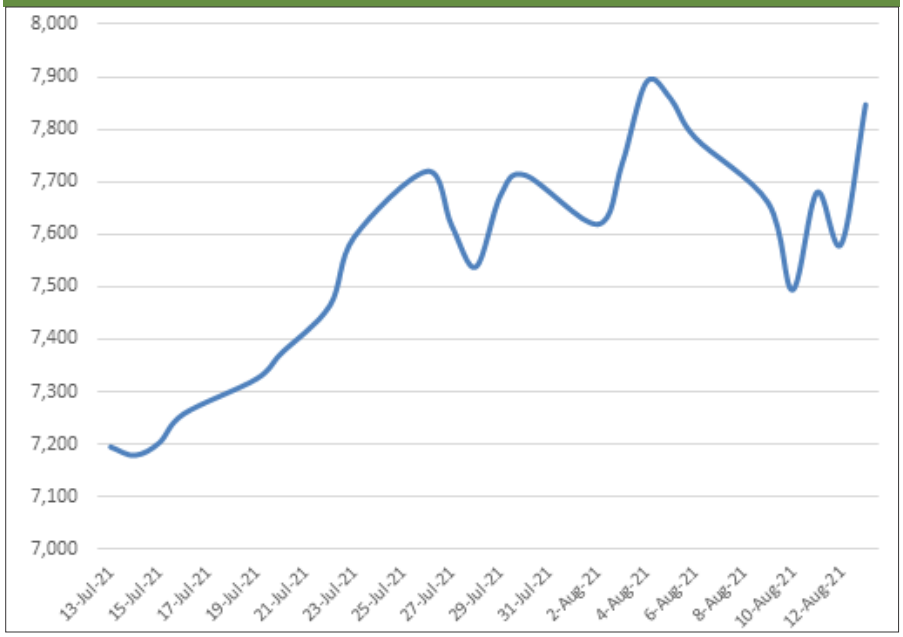

Source: Reuters & SMC Research

- अन्य तिलहनों की अधिक कीमतों और खाद्य निर्यात की अच्छी मांग के कारण पिछले एक महीने की अवधि के दौरान सरसों वायदा के कारोबार में तेजी रही। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसानों और तेल मिल मालिकों के पास सरसों का स्टॉक लगभग 40-45 लाख टन कम है और नए सीजन की फसल के लिए 8 महीने से अधिक का समय बाकी है।

- 2020/21 के चौथे अग्रिम अनुमान में, कृषि मंत्रालय को सरसों का उत्पादन लगभग 101.10 लाख टन होने की उम्मीद है। हालांकि, एसईए का अनुमान है कि उत्पादन 86 लाख टन होगा, जो लगभग 15 लाख टन से कम है।

- इस रबी सीजन की सरसों की 50 प्रतिशत से अधिक फसल पहले ही प्रमुख उत्पादक राज्यों के बाजारों में आ चुकी है, और शेष आठ महीनों के लिए उद्योग की पेराई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किसानों के पास कम तिलहन बचा है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार, लगभग 50 लाख टन सरसों के बीज बाजारों में पहुंचने का अनुमान है, जिसमें से 45 लाख टन से अधिक का उद्योग पहले ही उपयोग कर चुका है।

- जून-2021 के दौरान भारत का रेपसीड मील निर्यात 13.7% बढ़कर 110,115 टन हुआ है। लेकिन सरसों का निर्यात पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 10% कम हुआ है । चालू मार्केटिंग वर्ष (मार्च-फरवरी) में, रिपोर्ट की गई कुल आवक पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान आवक की तुलना में 309% अधिक थी। यूएसडीए की मासिक अपडेट के अनुसार, 2021-22 के लिए विश्व सरसों का उत्पादन 2.6% कम होकर 699 लाख टन होने का अनुमान है।

आउटलुक

तेल मिलों की ओर से लगातार अच्छी मांग के कारण सरसों की कीमतें महीने दर महीने बढ़ रही हैं और अधिक निर्यात के कारण भी कीमतों को मदद मिल रही है देश में सरसों के स्टॉक में लगातार गिरावट की खबरों पर प्रसंस्करण इकाइयां और स्टॉकिस्ट हाजिर मंडियों में खरीदारी में सक्रिय हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में कीमतों में तेजी के रुझान के साथ 8300 के स्तर तक बढ़ोतरी हो सकती है । कीमतों को सपोर्ट 7590 पर है।

smc Moneywise. Be wise.

रिफाइंड सोया तेल

ध्यान दिए जाने वाले कारक

- अमेरिका/ब्राजील में सोयाबीन तेल की कीमत
- सरकार द्वारा तय किया गया टैरिफ मूल्य और आयात शुल्क
- भारत में सोयाबीन का उत्पादन क्षेत्र और फसल की प्रगति
- प्रतिस्पर्धी वनस्पति तेल की कीमतें
- बंदरगाह और पाइपलाइन पर स्टॉक

मुख्य बातें

- इस वर्ष अभी तक कीमतों में 19.7% वृद्धि हुई हैं
- कच्चे सोया तेल का आयात 18.5 लाख टन (अक्टूबर-जून) हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.15 प्रतिशत कम है।
- टैरिफ मूल्य 15-जुलाई-21 से 1228 डॉलर प्रति टन पर अपरिवर्तित है
- यूएसडीए के अनुसार 2021/22 में भारत में सोया तेल का उत्पादन 17.5 लाख टन होने का अनुमान है, जो 3.5% अधिक है
- कच्चे सोयाबीन तेल का औसत आयात मूल्य जून में घटकर 1254 अमेरिकी डॉलर/टन हो गया, जो मई में 1400 अमेरिकी डॉलर था।

एनसीडीईएक्स रिफा. सोया तेल-जुलाई-अगस्त 2021

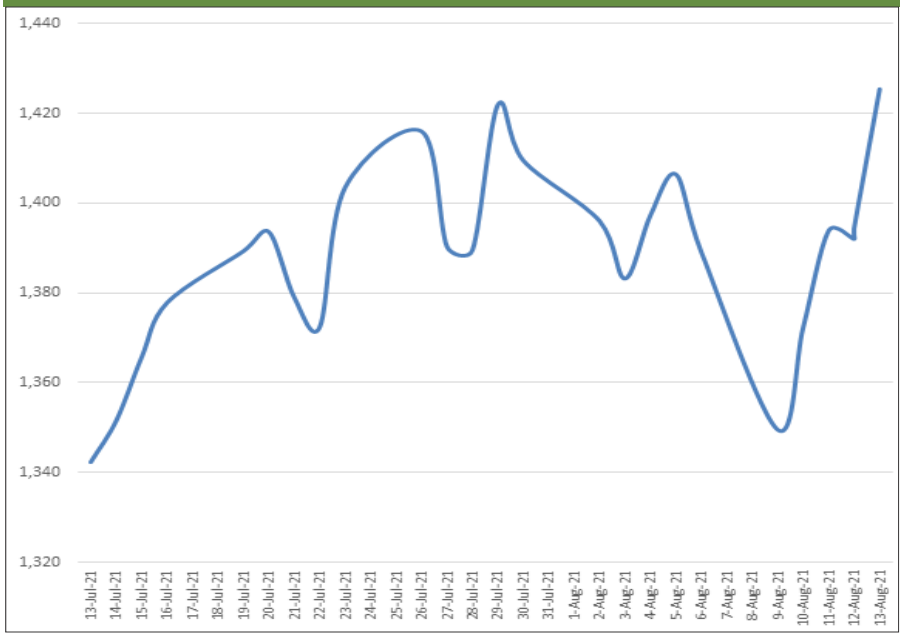

Source: Reuters & SMC Research

- भारत में सोयाबीन की कीमतों में अधिक उतार-चढ़ाव के कारण पिछले एक महीने की अवधि के दौरान एनसीडीईएक्स पर रिफाइंड सोया तेल वायदा की कीमतों में भी बहुत अस्थिरता रही है। इसके अलावा, मलेशिया में पाम तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव और अमेरिका में सोया तेल की कीमतें भी सोया तेल की अस्थिरता में योगदान की हैं। वर्तमान में, रिफाइंड सोया तेल की कीमतें एनसीडीईएक्स पर पिछले साल की कीमतों की तुलना में लगभग 65% अधिक 1425 रुपये प्रति 10 किलोग्राम हैं।
- जुलाई में अमेरिकी सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट हुई जबकि अर्जेंटीना और ब्राजील की कीमतें बढ़ीं। मांग घटने से अमेरिकी सोयाबीन तेल की कीमतों में नरमी आई है। ब्राजील की कीमतें अपने बायोडीजल उद्योग की ओर से घरेलू मांग में बढ़ोतरी के कारण बढ़ रही हैं। अर्जेंटीना की कीमतें मजबूत मांग और कम प्रतिस्पर्धा के कारण बढ़ी हैं। सीमित आपूर्ति के कारण पाम तेल निर्यात कीमतों में तेजी आई।
- एसईए के मासिक आयात आंकड़ों के अनुसार, जून के महीने में कच्चे सोया तेल का आयात माह-दर-माह 30% घटकर 2 लाख टन रह गया, जबकि आयात पिछले वर्ष की तुलना में 37% कम था। फिलहाल कच्चे सोया तेल की टैरिफ दरें 1228 डॉलर प्रति टन हैं। देश में आयातित तेल पर आयात शुल्क की गणना के लिए सरकार द्वारा टैरिफ मूल्य घोषित किया जाता है। इसे हर पखवाड़े मुद्रा और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर घोषित किया जाता है।
- यूएसडीए की नवीनतम मासिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सोयाबीन तेल का उत्पादन पिछले वर्ष 16.9 लाख टन की तुलना में 17.5 लाख टन होने की उम्मीद है, जो 2.8% की वृद्धि का अनुमान है। जबकि 2021/22 में आयात 37.25 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 0.70% अधिक है।

आउटलुक

रिफाइंड सोया तेल वायदा की कीमतें मई में अपने अब तक के उच्चतम स्तर 1500 रुपये प्रति 10 किलोग्राम पर पहुंच गई थी और अब यह 1350 से 1450 के दायरे में कारोबार कर रही है। सरकार ने देश में खाद्य तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सीपीओ पर आयात शुल्क में कटौती की है जिसका सीधा असर सोया तेल की कीमत पर भी पड़ता है। हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू बाजारों में तिलहन की रिकॉर्ड कीमतों के कारण कीमत 1350-1500 के दायरे में कारोबार करेगी

कच्चा पाम तेल (सीपीओ)

ध्यान दिए जाने वाले कारक

- आयात शुल्क और टैरिफ मूल्य
- सीपीओ और अन्य खाद्य तेलों के आयात की मात्रा
- बंदरगाह और पाइपलाइन में घरेलू आपूर्ति
- वैश्विक तिलहन उत्पादन और मूल्य
- मलेशिया में उत्पादन और निर्यात आंकड़ें

मुख्य बातें

- इस वर्ष अभी तक कीमतों में 20% वृद्धि हुई
- पाम ऑयल पर 30 सितंबर तक ड्यूटी 5 फीसदी कम कर दिया गया है।
- आरबीडी पॉमोलीन और आरबीडी पॉम ऑयल को 31 दिसंबर तक प्रतिबंधित से हटा कर सामान्य श्रेणी में डाल दिया गया है।
- इस कैलेंडर वर्ष (जनवरी-जून) में सीपीओ का आयात 21% बढ़ा है।
- टैरिफ मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में 45% अधिक है
- श्रम की कमी के कारण मलेशिया का उत्पादन घट रहा है
- राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के तहत पॉम ऑयल के लिए सरकार ने 11000 करोड़ मंजूर किए

एमसीएक्स सीपीओ-जुलाई-अगस्त 2021

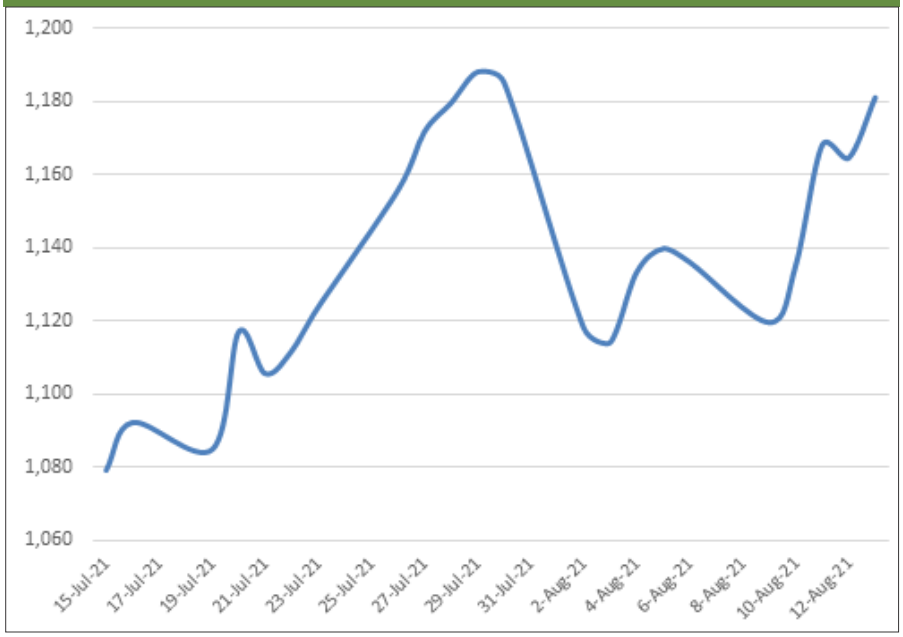

Source: Reuters & SMC Research

- मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में, सीपीओ वायदा फिर से बढ़कर 1,180 रुपये प्रति 10 किलोग्राम हो गया। इसके पहले जब सरकार ने आयात शुल्क में कटौती की और जुलाई के पहले सप्ताह के दौरान आरबीडी पॉम तेल को सामान्य श्रेणी में डाल दिया था तब कीमतें 1000 के स्तर से नीचे आ गई थी। सीपीओ वायदा की कीमतों में जुलाई 2021 के सबसे निचले स्तर से 200 रुपये या 16.7% प्रतिशत की उछाल देखी गई है।
- इस साल देश में पाम तेल का आयात अधिक हुआ है। कैलेंडर वर्ष के पहले 6 महीनों में, देश ने मलेशिया और इंडोनेशिया से 51.5 लाख टन सीपीओ का आयात किया, जो पिछले साल की समान अवधि के आयात की तुलना में 21.5% अधिक है। लेकिन उच्च कीमतों और देश में पर्याप्त स्टॉक के कारण जून में आयात माह-दर-माह 23. 6% कम हुआ था।
- सीपीओ और आरबीडी पॉम ऑयल का टैरिफ मूल्य पिछले एक महीने से अपरिवर्तित है लेकिन घरेलू बाजार में कीमतों में 100 रुपये प्रति 10 किलो से अधिक की वृद्धि हुई है। श्रम की कमी के कारण मलेशिया में उत्पादन में चिंता के कारण यह वृद्धि हुई है।
- मलेशियन पॉम ऑयल बोर्ड के आंकड़ों से पता चला है कि जुलाई में पाम तेल का उत्पादन 5.1% गिरकर 1.52 मिलियन टन रह गया, जबकि जून-जुलाई में आमतौर पर मलेशिया में अधिक उत्पादन सीजन की शुरुआत होती है, लेकिन महामारी के कारण नियंत्रण होने से बागानों में विदेशी श्रमिकों की कमी ने उत्पादन, विशेष रूप से जोहोर और सबा जिलों में, को प्रभावित किया है।

आउटलुक

मलेशियन पॉम ऑयल बोर्ड की रिपोर्ट पॉम तेल बाजार के अनुकूल है क्योंकि 2021 में मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन मुश्किल में है और मलेशियन पॉम ऑयल बोर्ड के अनुसार अब इसका उत्पादन अनुमान 18 मिलियन टन है, जो 2020 में 19.14 मिलियन टन के उत्पादन से कम है। पॉम तेल के कम उत्पादन के अनुमान के साथ और भारत से अच्छी मांग की संभावना से, सीपीओ की कीमतों के आने वाले सप्ताह में 1250/1270 के स्तर तक बढ़ने की संभावना है।

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।